वाले समय में धीरे-धीरे असर उपलब्ध हो जायगा।

बंगाल में व्यवसाय की हैं विपुल संभावनाएं : बजाज

मोहित बजाज

कोलकाता, 28 जून (नि.प्र.)। पश्चिम बंगाल में उद्यो-व्यापार की विपुल संभावनाएं हैं। अगर यहां की सरकार अन्य राज्यों की तरह ध्यान दें और सुविधाएं मुहैया कराये तो बंगाल में ताजा पूंजी निवेश बड़ी मात्रा में आ सकता है। बंगाल के पड़ोसी राज्यों उड़ीसा, बिहार और असम में पूंजी निवेश आकर्षित करने की कोशिशें की जा रही हैं, जिसका नतीजा भी सामने हैं। पिछले कुछ समय के दौरान इन तीनों राज्यों में छोटे-मझोले आकार के नये-नये कारखाने स्थापित हुए हैं। पश्चिम बंगाल के सरकार भी उसी तरह की सुविधाएं देना शुरू कर दे तो निवेशक यहां भी आयेंगे। यह कथन है **गुडलक पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड** के निदेशक एवं **ईस्टर्न इंडिया कोरोगेटेड बाक्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसियेशन** के अध्यक्ष **श्री मोहित बजाज** का, जो **'दैनिक विश्वमित्र'** के साथ एक खास बातचीत में राज्य के व्यापारिक माहौल पर चर्चा कर रहे थे।

श्री बजाज कार्टून बाक्स बनाने के उद्योग से जुड़े हुए हैं। आप कहते हैं कि चेन्नई, बेंगलोर, गुवाहाटी तथा महाराष्ट्र में कोरोगेटेड बॉक्स बनाने की कई कारखाने अलग-अलग वजहों से बंद पड़े हैं, जिसका तत्कालिक लाभ पश्चिम बंगाल को मिल सकता है। आप कहते हैं कि कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये किये गये लॉकडाउन के शुरुआती कुछ दिनों को छोड़कर कार्टून बॉक्स बनाने का काम चलता रहा है। अर्थात् प्रभावित नहीं हुआ है। इसकी सबसे खास वजह यह रही कि कोरोगेटेड बॉक्स आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी में आता है। किसी भी चीज की पैकिंग करने के लिये कार्टून बॉक्स की जरूरत पड़ती है। यही वजह है कि मांग बरकरार है और माल भी बिक रहा है। हालांकि मजदूरों को लेकर समस्यायें खड़ी हुईं, अभी भी कुछ हद तक समस्या है, लेकिन धीरे-धीरे हालात सामान्य हो रहे हैं। कुछ कारखानों में मजदूरों का अभी भी अभाव है। जिन कारखाना परिसरों में मजदूरों के रहने की व्यवस्था है, मजदूरों को समय से वेतन मिल रहा है, वहां समस्या नहीं है, लेकिन जो कारखानें लॉकडाउन के दौरान लंबे समय तक बंद हो गये, वहां मजदूरों को लेकर समस्या बनी हुई है। गांव चले मजदूर अभी लौटकर नहीं आये हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ट्रेनों का आवागमन पहले की तरह अब तक सामान्य नहीं हो पाया है। श्री बजाज के अनुसार पश्चिम बंगाल में कोरोगेटेड बॉक्स के छोटे-बड़े लगभग 250 कारखाने हैं, जिनमें प्रतिमाह 20 टन से लेकर दो हजार टन की उत्पादन क्षमता है। उन्होंने बताया कि आईटीसी, हिन्दुस्तान लिवर और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियों में बंगाल में बने कोरोगेटेड बॉक्स की आपूर्ति होती है। खाने-पीने की चीजें बिस्किट तथा इलेक्ट्रानिक समानों में टीवी, फ्रिज जैसे उत्पादों की पैकिंग में कार्टून बॉक्स की जरूरत पड़ती है। श्री बजाज ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान कुछ कारखानों के संचालन में दिक्कतें आईं, लेकिन एसोसियेशन ने आगे बढ़कर हर तरह का समर्थन-सहयोग दिया, जिससे सब कुछ सामान्य हो गया।

पार्टी तो इसपर कब्जे के
कार्रवाई तक की धमकी
। अमेरिका ने पहले ही
के समीप अपने तीन
यरक्राफ्ट कैरियर को तैनात
। जिसमें से दो ताइवान
ो मित्र देशों के साथ
कर रहे हैं, वहीं तीसरा
रियर जापान के पास गश्त
। अमेरिका ने जिन तीन
रियर को प्रशांत महासागर
या है वे यूएसएस थियोडोर
यूएसएस निमित्ज और
ाल्ड रीगन हैं।

कते हैं'